

Netra Rog Nibarana Mantra

मंत्र : “ओं झलमल जहर, भरी तलाई,

अस्ताचल पर्बत से आई जहाँ बैठा,

हनुमन्ता जाई न फूटै पाकै,

करे न पीडा जती हनुमंत,

हरै पीडा मेरी भक्ति गुरु की शक्ति,

फुरो मंत्र ईश्वरो बाचा,

सत्य नाम आदेश गुरु का।।”

Netra Rog Nibarana Mantra Vidhi :

यह मंत्र बिधि सहित आप सिद्ध करें फिर २१ बार उच्चारण करते हुए नीम की डाली से प्रत्येक मंत्र का जाप करते समय (साथ ही) नेत्रों को स्पर्श करना चाहिए। आंख लाल होना, पानी गिरना, आंखो के हर प्रकार के रोगों को दूर करने का यह अचूक मंत्र हैं।